दिनांक: 11 नवंबर 2023

दुधवा टाइगर रिजर्व

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "दुधवा टाइगर रिजर्व" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के पर्यावरण अनुभाग में प्रासंगिक है।

सामान्य अध्ययन-03: पर्यावरण

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व में कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के आसपास बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष के जवाब में, वन अधिकारियों ने 'गजमित्र' पहल शुरू की है।

दुधवा टाइगर रिजर्व-

- उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी जिले के भीतर भारत-नेपाल सीमा पर स्थित दुधवा बाघ अभयारण्य वन्यजीवों और जैव विविधता के लिए एक उल्लेखनीय आश्रय स्थल है।
- 1988 में स्थापित, इसमें दो निकटवर्ती अभयारण्यों, किशनपुर और कटरनियाघाट के साथ दुधवा राष्ट्रीय उद्यान शामिल है।
- यह रिजर्व 1,284 वर्ग किलोमीटर के व्यापक क्षेत्र को कवर करता है और ऊपरी गंगा के मैदानों के जैव-भौगोलिक प्रांत के भीतर स्थित अपने अद्वितीय तराई-भाबर निवास स्थान की विशेषता है।

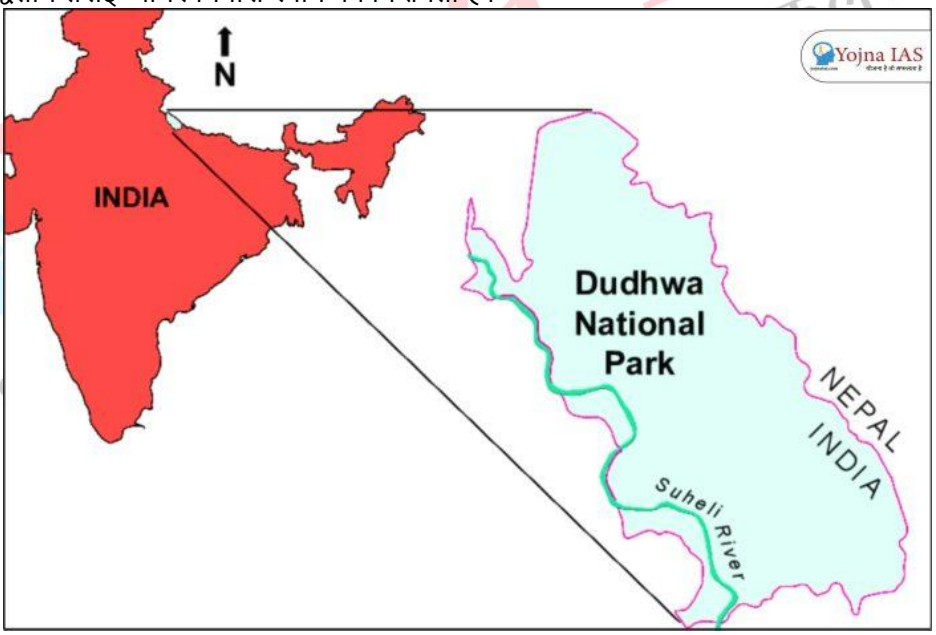

दुधवा टाइगर रिजर्व के बारे में:-

- **भौगोलिक स्थिति:** दुधवा टाइगर रिजर्व रणनीतिक रूप से भारत-नेपाल सीमा के साथ स्थित है, जो विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों के लिए विभिन्न प्रकार के आवास प्रदान करता है।
- **घटक क्षेत्र:** इस अभयारण्य में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कटरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं, जो वनस्पतियों और जीवों के लिए पर्याप्त संरक्षित क्षेत्र बनाते हैं।
- **पारिस्थितिकी तंत्र विविधता:** दुधवा टाइगर रिजर्व में कई नदियों और विशिष्ट आवासों की उपस्थिति के साथ एक समृद्ध और विविध पारिस्थितिकी तंत्र है।
- **नदी प्रणाली:** रिजर्व महत्वपूर्ण नदियों के प्रवाह से धन्य है। शारदा नदी किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य से होकर बहती है, जबकि गेरुवा नदी कातेरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से होकर बहती है। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के भीतर, सुहेली और मोहना

धाराएँ इसके अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करती हैं, जो अंततः महत्वपूर्ण सहायक नदियों के रूप में घाघरा नदी में शामिल हो जाती हैं।

- **वनस्पति:** रिजर्व को उत्तर भारतीय नम पर्णपाती प्रकार की वनस्पति की विशेषता है। यह नम घास के मैदानों के व्यापक इलाकों के साथ-साथ भारत के कुछ बेहतरीन साल जंगलों (शोरिया रोबस्टा) का घर है। ये हरे-भरे परिदृश्य इस क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन के अभिन्न अंग हैं।
- **जीव:** दुधवा टाइगर रिजर्व दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों की अपनी प्रभावशाली सरणी के लिए प्रसिद्ध है। रिजर्व बाघों, तेंदुओं, तेंदुए बिल्लियों, सुस्त भालू, एक सींग वाले गैंडे, हिस्पिड खरगोश, हाथी, काले हिरण, दलदली हिरण, और कई अन्य उल्लेखनीय प्राणियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करता है। यह विविध वन्यजीव आबादी रिजर्व के संरक्षण महत्व और क्षेत्र की समग्र जैव विविधता में योगदान देती है।

स्त्रोत-दुधवा नेशनल पार्क (msn.com)

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न -1 दुधवा टाइगर रिजर्व के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. दुधवा टाइगर रिजर्व पूरी तरह से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी जिले के भीतर स्थित है।
2. रिजर्व में केवल दुधवा नेशनल पार्क शामिल है, जिसमें कोई आसन्न अभयारण्य नहीं है।
3. दुधवा टाइगर रिजर्व तराई-भाबर निवास स्थान की विशेषता है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) उपरोक्त सभी
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: B

प्रश्न-02–भारत में जैव विविधता के संरक्षण और बाघों की संख्या की सुरक्षा के लिए बाघ रिजर्वों के महत्व पर चर्चा कीजिए।

प्रश्न-03-देश में बाघ रिजर्वों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रमुख चुनौतियों और उपायों का विश्लेषण कीजिए।

Rajiv Pandey

वित्त आयोग

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "वित्त आयोग" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "राजनीति और शासन" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- वित्त आयोग क्या है?
- नियुक्ति, पात्रता मानदंड?

मुख्य परीक्षा के लिए:

- जीएस 2:राजनीति और शासन विभिन्न संवैधानिक पदों, विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियों, कार्यों और जिम्मेदारियों पर नियुक्ति।

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, सरकार ने सोलहवें वित्त आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्र और राज्यों के बीच कर-बंटवारे के फार्मूले को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण इस आयोग के इस साल के अंत तक गठित होने की उम्मीद है।

वित्त आयोग-

- एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्थापित वित्त आयोग, संघ और राज्यों और राज्यों के बीच कर राजस्व वितरित करने पर सिफारिशें प्रदान करता है।

- यह संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत राष्ट्रपति द्वारा गठित किया जाता है, जो हर पांचवें वर्ष के अंत में या आवश्यक होने पर उससे पहले होता है।

संरचना

- आयोग में **एक अध्यक्ष और चार सदस्य होते हैं जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।**
- वे अपने आदेश में राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट अवधि के लिए सेवा करते हैं और पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र हैं।
- संविधान संसद को आयोग के सदस्यों की योग्यता और चयन प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए अधिकृत करता है।
- वित्त आयोग (विविध प्रावधान) अधिनियम, 1951 **के तहत संसद** ने अध्यक्ष और सदस्यों के लिए योग्यताएं निर्दिष्ट की हैं:

अध्यक्ष: सार्वजनिक मामलों में अनुभव होना चाहिए।

सदस्य: **निम्नलिखित योग्यता वाले व्यक्तियों में से चुना जा सकता है:**

- एक **उच्च न्यायालय के न्यायाधीश** या एक के रूप में नियुक्त होने के लिए योग्य व्यक्ति।
- सरकारी वित्त और लेखा **का विशेष ज्ञान** रखने वाला व्यक्ति।
- वित्तीय मामलों और प्रशासन में व्यापक अनुभव **रखने वाला व्यक्ति।**
- अर्थशास्त्र के असाधारण ज्ञान के **साथ एक व्यक्ति।**

कार्य:

आयोग को राष्ट्रपति को सिफारिशें करने का काम सौंपा गया है:

- केंद्र और राज्यों के बीच शुद्ध कर आय का वितरण और राज्यों के बीच आवंटन।
- भारत की संचित निधि से राज्यों को सहायता अनुदान को नियंत्रित करने वाले सिद्धांत।
- राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर, पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए संसाधनों का समर्थन करने के लिए राज्य की समेकित निधि को बढ़ाने के उपाय।
- राष्ट्रपति द्वारा सुदृढ़ वित्त के हित में भेजा गया कोई अन्य मामला।

वित्त आयोग की सिफारिशों की प्रकृति:

- संविधान यह अनिवार्य नहीं करता है कि आयोग की सिफारिशें बाध्यकारी हों या लाभार्थी राज्यों को अनुशंसित धन प्राप्त करने का कानूनी अधिकार प्रदान करें।
- केंद्र सरकार यह तय कर सकती है कि राज्यों को वित्तीय आवंटन के संबंध में आयोग के सुझावों को लागू किया जाए या नहीं।

उपलब्धि:

- भारत के वित्त आयोग ने अपने मुख्य उद्देश्यों को पूरा करते हुए ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज राजकोषीय असंतुलन को काफी कम कर दिया है।
- इसने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संवाद और बातचीत के लिए एक मंच के रूप में कार्य करके सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वित्त आयोग एक मूल्यवान संस्था है जो भारतीय राजकोषीय संघवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, कर राजस्व के वितरण के अपने फार्मूले को अधिक पारदर्शी बनाकर और विशेष श्रेणी के राज्यों की जरूरतों और नई राजकोषीय चुनौतियों को अधिक वजन देकर इसमें सुधार किया जा सकता है।

स्रोत– द इंडियन एक्सप्रेस

दैनिक अभ्यास प्रश्न-

प्रश्न-01. वित्त आयोग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्थापित है।
2. यह संघ और राज्यों और स्थानीय निकायों के बीच कर राजस्व वितरित करने पर सिफारिशें प्रदान करता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (A)

प्रश्न-02. वित्त आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान ने अध्यक्ष और सदस्यों के लिए योग्यता ओं को निर्दिष्ट किया है।
2. आयोग की सिफारिशें सलाहकार की हैं और सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं हैं।
3. आयोग भारतीय राजकोषीय संघवाद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) उपरोक्त सभी
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (D)

प्रश्न-03. वित्त आयोग को भारत में राजकोषीय संघवाद का संतुलन चक्र माना जाता है चर्चा कीजिए?

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com